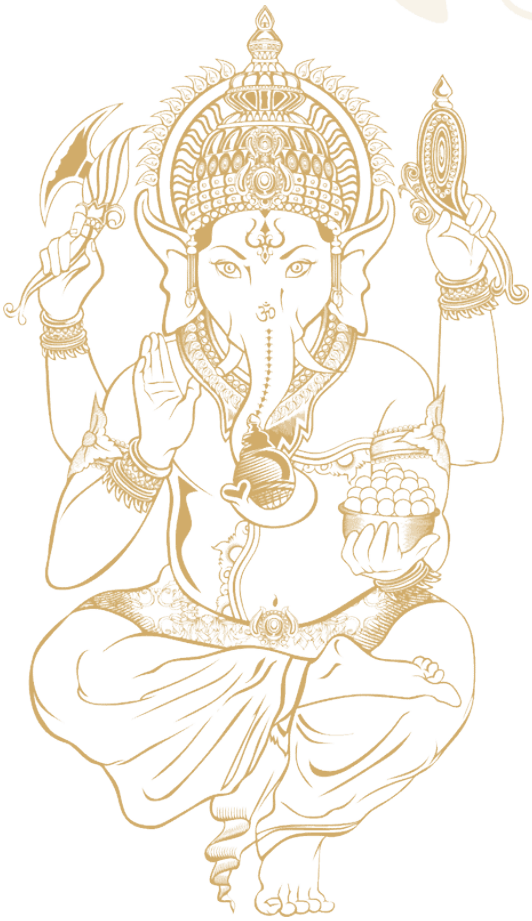

Mr.Ramandeep

09 Aug 1985

04:30 PM

Kurukshetra

Model: Varshphal-2017

Order No: 120096601

तिथि 09/08/1985 **समय** 16:30:00 **वार** शुक्रवार **स्थान** Kurukshetra **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:39:11
अक्षांश 29:59:00 उत्तर **रेखांश** 76:51:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:22:36 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	13:18:57 घं	गण	राक्षस
वेलान्तर	00:05:30 घं	योनि	मेष
सूर्योदय	05:46:15 घं	नाड़ी	अन्त्य
सूर्यास्त	19:09:26 घं	वर्ण	वैश्य
चैत्रादि संवत	2042	वश्य	चतुष्पाद
शक संवत	1907	वर्ग	गरुड़
मास	श्रावण	युँजा	पूर्व
पक्ष	कृष्ण	हंसक	भूमि
तिथि	9	जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
नक्षत्र	कृतिका	पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-स्वर्ण
योग	वृद्धि	होरा	शनि
करण	तैतिल	चौघड़िया	उद्वेग

विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 2मा 17दि
गुरु
27/10/2024
27/10/2040

गुरु	15/12/2026
शनि	27/06/2029
बुध	03/10/2031
केतु	08/09/2032
शुक्र	10/05/2035
सूर्य	26/02/2036
चन्द्र	27/06/2037
मंगल	03/06/2038
राहु	27/10/2040

योगिनी
उल्का 4वर्ष 2मा 17दि
सिद्धा
27/10/2025
27/10/2032

सिद्धा	08/03/2027
संकटा	26/09/2028
मंगला	06/12/2028
पिंगला	27/04/2029
धान्या	26/11/2029
भ्रामरी	06/09/2030
भद्रिका	28/08/2031
उल्का	27/10/2032

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			11:13:08	धनु	मूल	4	केतु	शनि	---	0:00			
सूर्य			23:08:30	कर्क	आश्लेषा	2	बुध	चंद्र	मित्र राशि	1.43	भ्रातृ	पितृ	वध
चंद्र			00:37:55	वृष	कृतिका	2	सूर्य	राहु	उच्च राशि	1.17	कलत्र	मातृ	जन्म
मंगल		अ	16:11:30	कर्क	पुष्य	4	शनि	गुरु	नीच राशि	1.14	पुत्र	भ्रातृ	साधक
बुध	व	अ	25:43:30	कर्क	आश्लेषा	3	बुध	राहु	शत्रु राशि	0.93	अमात्य	ज्ञाति	वध
गुरु	व		17:44:01	मक	श्रवण	3	चंद्र	शनि	नीच राशि	0.88	मातृ	धन	सम्पत
शुक्र			14:28:12	मिथु	आर्द्रा	3	राहु	केतु	मित्र राशि	1.53	ज्ञाति	कलत्र	क्षेम
शनि			27:59:16	तुला	विशाखा	3	गुरु	शुक्र	उच्च राशि	1.49	आत्मा	आयु	प्रत्यारि
राहु	व		19:48:01	मेष	भरणी	2	शुक्र	राहु	शत्रु राशि		---	ज्ञान	अतिमित्र
केतु	व		19:48:01	तुला	स्वाति	4	राहु	मंगल	सम राशि		---	मोक्ष	क्षेम

लग्न-चलित

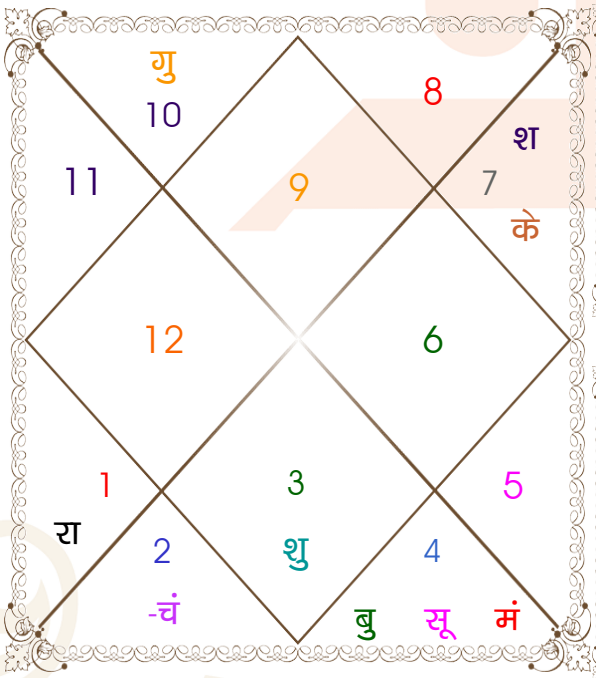

चन्द्र कुंडली

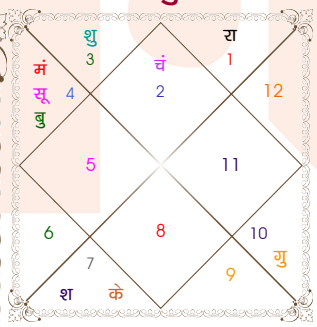

नवमांश कुंडली

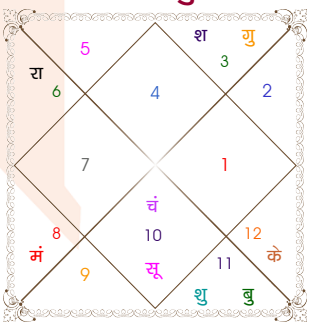

सर्वाष्टकवर्ग

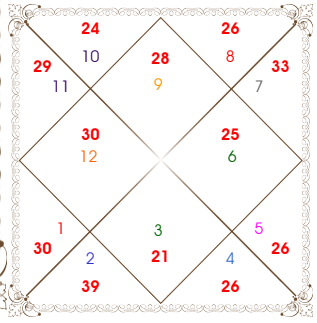

दशमांश कुंडली

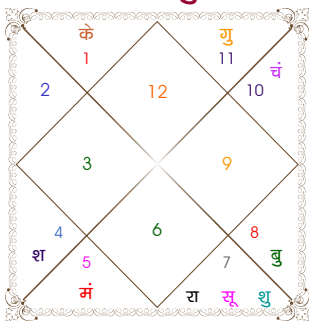

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता से आप परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति कर सकते है। साथ ही मानसिक स्थिति में यदा कदा अशान्ति तथा व्याकुलता रहेगी। शत्रु पक्ष इस समय आपके लिए समय समय पर समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे परन्तु आप दृढ़ता से उनका सामना करेंगे तथा अन्त में उन्हें पराजित करने में समर्थ रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा इसमें तनाव तथा कलह का भाव विद्यमान रहेगा । स्त्री से भी इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा अतः दामपत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति रहेगी। मित्र या संबंधियों से भी संबंध सामान्य रहेंगे तथा उनसे वांछित सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। साथ ही विगत रूके हुए कार्य एवं मानसिक संकल्प भी इस वर्ष अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे इसके अतिरिक्त आर्थिक स्थिति में भी विशेष सुदृढ़ता नहीं रहेगी तथा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे यदा कदा आर्थिक परेशानी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष परिश्रम एवं संघर्ष शील रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम से ही आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ भी सामान्य ही रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय पदोन्नति में बाधाएं तथा विलम्ब होगा तथा विरोधी पक्ष प्रबल रहेगा। साथ ही सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश भी सामान्य ही रहेगा तथा सुखोभोग भी अल्प ही रहेगा। अतः विशेष शुभ फलों की प्राप्ति के लिए परिश्रमशील रहें आपको मध्यम फल ही प्राप्त होंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति एवं सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। इस समय आपका शत्रुपक्ष प्रबल रहेगा तथा यदा कदा अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी परन्तु आप दृढ़ता पूर्वक उनका सामना करेंगे तथा अन्त में उन्हें पराजित करने में समर्थ रहेंगे। इस वर्ष में आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना हो सकती है अतः सावधान रहें। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा तथा सामान्य रूप से धनार्जन होता रहेगा। इस समय आपकी यात्राएं भी सम्पन्न हो सकती है परन्तु इनमें लाभ अल्प मात्रा में ही होगा परन्तु यात्रा के मध्य शारीरिक या मानसिक परेशानी हो सकती है।

इस वर्ष में मित्रों तथा संबधियों से आपके सामान्य संबध अच्छे रहेंगे परन्तु इच्छित सहयोग एवं लाभ अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा साथ ही यदा कदा कोई विवाद भी उत्पन्न हो सकता है। नौकरी या व्यापार आदि के लिए भी समय सामान्यतया अनुकूल रहेगा तथा स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से आप वांछित उन्नति या सफलता प्राप्त करते रहेंगे। व्यापार में इस समय आप किसी नवीन कार्य की रूप रेखा तैयार कर सकते हैं। इस वर्ष में आपके रूके हुए कार्य भी बनेंगें तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। अतः आप अधिक परिश्रम करें तो यह वर्ष आपके लिए काफी उन्नतिदायक सिद्ध हो सकता है।

प्रथम मास

09/08/2025 22:24:02 से 10/09/2025 00:40:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	02:32:22
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	23:08:30
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	27:51:17
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:29:13
बुध	व	कर्क	पुष्य	10:10:39
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	19:19:41
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	16:53:06
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:05:45
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:19:07
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:19:07
मुंथा		मेष	अश्विनी	11:13:08

मासाधिपति

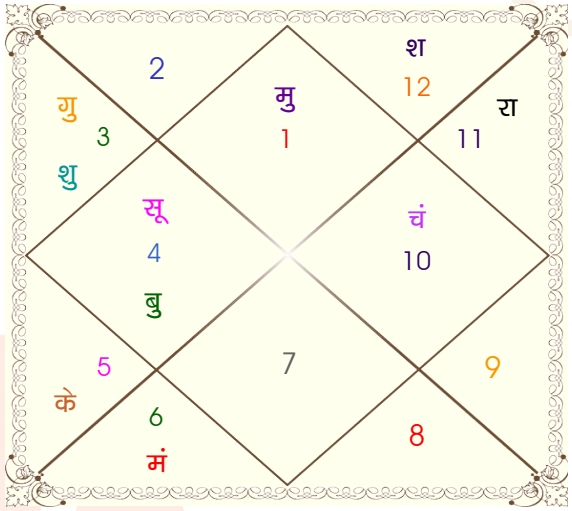

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रुधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास

10/09/2025 00:40:40 से 10/10/2025 15:32:22 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	13:04:50
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:08:30
चन्द्र		मीन	रेवती	20:38:53
मंगल		कन्या	चित्रा	27:26:57
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:46:06
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:10:28
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	23:57:06
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:10:13
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:07:05
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:07:05
मुंथा		मेष	भरणी	13:43:08

मासाधिपति

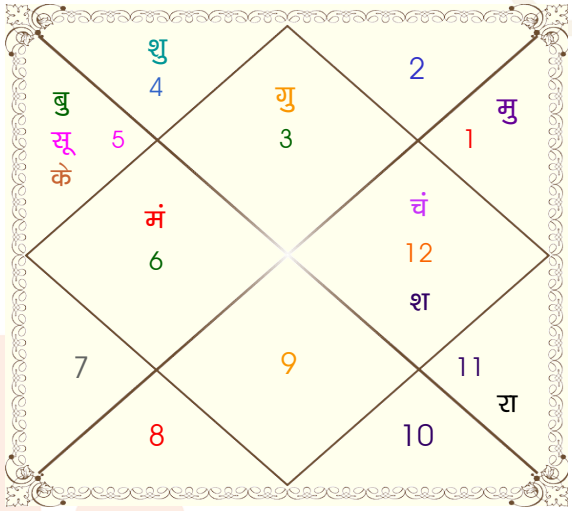

मासाधिपति : बुध

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आप पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करेंगे। आपका स्वास्थ्य इस मास अच्छा रहेगा तथा किसी भी प्रकार से शारीरिक या मानसिक अस्वस्थता नहीं रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि बढ़ेगी तथा मित्र वर्ग से सम्बन्धों में मधुरता रहेगी एवं उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही वांछित द्रव्य पदार्थों का उपभोग करके आप प्रसन्नता को प्राप्त करेंगेत संतति पक्ष से भी आपको शुभ फल ही प्राप्त होंगे तथा किसी प्रकार से चिन्ता नहीं रहेगी। मित्रों तथा सम्बन्धियों में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित होगी। फलतः आप आनंदपूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

इसके साथ ही आप पुत्र एवं स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा विद्याध्ययन में भी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या द्रव्य आदि की भी आपको उपलब्धि हो सकती है। इस प्रकार आप शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

तृतीय मास

10/10/2025 15:32:22 से 09/11/2025 18:00:55 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	धनिष्ठा	02:57:56
सूर्य		कन्या	हस्त	23:08:30
चन्द्र		वृष	कृतिका	08:46:43
मंगल		तुला	स्वाति	18:06:15
बुध		तुला	स्वाति	11:18:22
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:17:09
शुक्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	01:28:53
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:51:05
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:49:06
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	23:49:06
मुंथा		मेष	भरणी	16:13:08

मासाधिपति

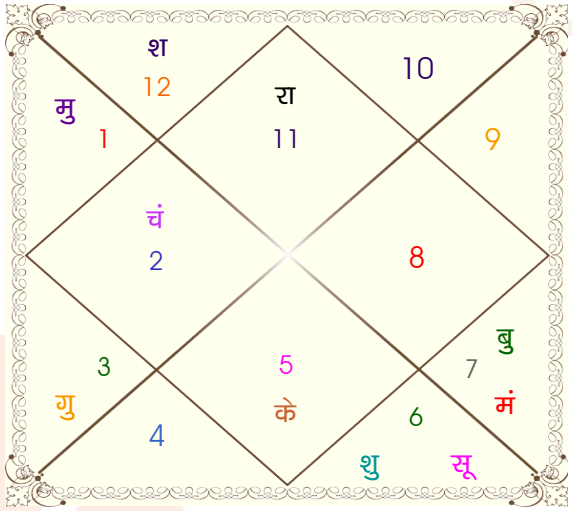

मासाधिपति : बुध

इस महीने में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों के मध्य यशार्जन करने में भी आप समर्थ रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना विद्यमान रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। साथ ही अन्य जनों का परोपकार करने के लिए भी आप उद्यत रहेंगे। आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा किसी भी प्रकार से आप शारीरिक या मानसिक कष्ट प्राप्त नहीं करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनके आश्रय से समाज में ख्याति अर्जित करेंगे।मित्र एवं भाइयों से इस मास आपको उचित सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इस समय आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं जिससे आपको लाभ होगा। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र तथा द्रव्यों को भी आप प्राप्त करेंगे या इनसे युक्त होंगे। अतः यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं आनंददायक रहेगा।

चतुर्थ मास

09/11/2025 18:00:55 से 09/12/2025 10:25:00 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	03:26:48
सूर्य		तुला	विशाखा	23:08:30
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	18:46:13
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	09:21:34
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	12:38:15
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:55:32
शुक्र		तुला	स्वाति	09:00:34
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:14:42
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:01:25
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:01:25
मुंथा		मेष	भरणी	18:43:08

मासाधिपति

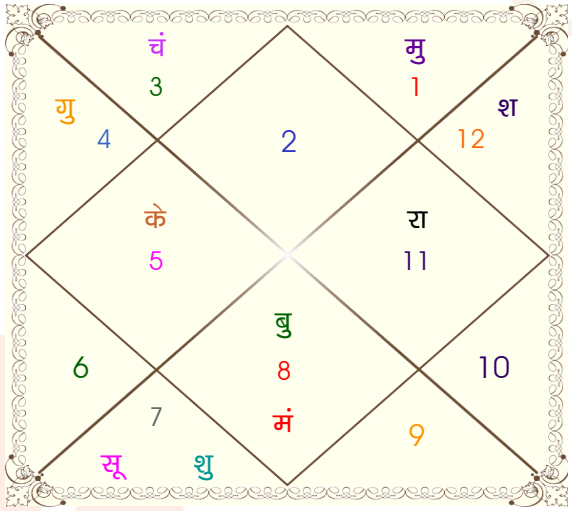

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपका मध्यम रूप से व्यतीत होगा तथा आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी करेंगे फलतः समाज में आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे एवं मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के लिए आपको अत्यधिक परिश्रम एवं पराक्रम प्रदर्शित करना पड़ेगा फिर भी सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा साथ ही मित्रों एवं सम्बधियों के साथ परस्पर संबन्धों में तनाव रहेगा आपके कार्यक्षेत्र में भी इस समय व्यवधान उत्पन्न होगा एवं शत्रुपक्ष से भी चिन्ता तथा भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की भी वृद्धि होगी तथा अन्य प्रकार से भी आप सुखानुभूति प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करेंगे।

पंचम् मास
09/12/2025 10:25:00 से 07/01/2026 21:33:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	10:45:01
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	23:08:30
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	20:59:52
मंगल		धनु	मूल	01:11:18
बुध		वृश्चिक	विशाखा	02:35:05
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	29:41:48
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	16:17:46
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:02:48
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	18:53:30
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	18:53:30
मुंथा		मेष	भरणी	21:13:08

मासाधिपति

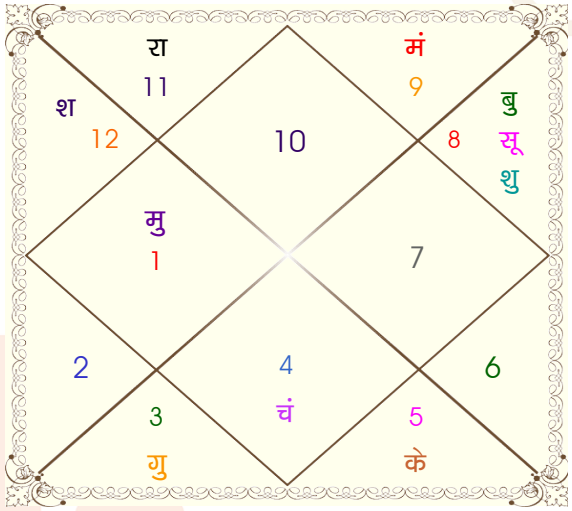

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्टानुभूति होगी। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी इस समय आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से संबधों में तनाव विद्यमान रहेगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में भी हानि या मंदी के योग बनेंगे। साथ ही स्थान या कार्य क्षेत्र में परिर्वतन भी कर सकते है। समाज में भी अधिकाशं लोगों से आपके विवाद होते रहेंगे जिसके कारण उनसे कटुता का व्यवहार रहेगा फलतः आपके समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि भी हो सकती है।

साथ ही इस मास गर्मी या पित्तादि दोषों से भी अस्वस्थ रहेंगे। इस समय किसी कारण से रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः इस समय आप सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

07/01/2026 21:33:54 से 06/02/2026 09:32:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:06:45
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:08:30
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:37:57
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:35:30
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:44:12
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	26:14:56
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:22:32
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	02:22:03
राहु		कुम्भ	शतभिषा	16:03:39
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:03:39
मुंथा		मेष	भरणी	23:43:08

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

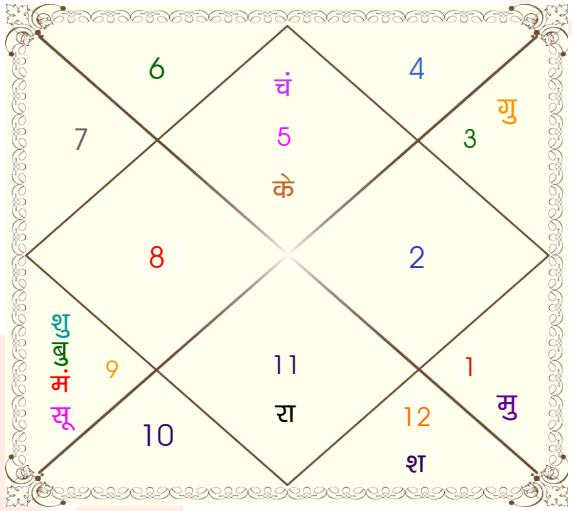

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप मात्रा में लाभार्जन करेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय से सम्पन्न हो जाएंगे। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय समाज में आपका यश दूर दूर तक फैलेगा तथा भाग्योदय संबधी कार्य शीघ्र सम्पन्न होते रहेंगे। आपकी बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी करेंगे।साथ ही उच्चाधिकारियों से मान एवं सम्मान अर्जित करेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों से अत्यंत ही मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस प्रकार सम्पूर्ण मास विविध प्रकार के सुखों को उपभोग करते हुए व्यतीत करेंगे तथा समाज से यश भी अर्जित करेंगे।

सप्तम् मास
06/02/2026 09:32:20 से 08/03/2026 04:13:25 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	11:12:55
सूर्य		मकर	श्रवण	23:08:30
चन्द्र		कन्या	हस्त	15:35:29
मंगल		मकर	श्रवण	16:33:14
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	04:24:03
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:35:22
शुक्र		कुम्भ	धनिष्ठा	00:26:10
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:56:20
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:51:06
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:51:06
मुंथा		मेष	भरणी	26:13:08

मासाधिपति

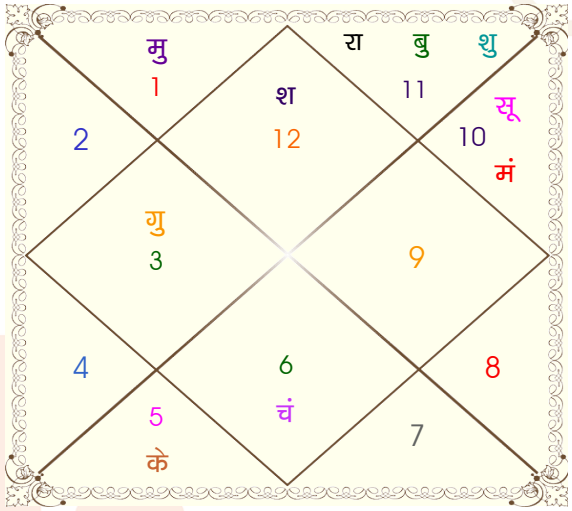

मासाधिपति : मंगल

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे।साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास
08/03/2026 04:13:25 से 07/04/2026 09:53:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	04:37:39
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:08:30
चन्द्र		तुला	स्वाति	15:18:17
मंगल		कुम्भ	शतभिषा	09:59:33
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:09:40
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	20:52:46
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	07:38:22
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	08:20:14
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:42:32
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:42:32
मुंथा		मेष	कृतिका	28:43:08

मासाधिपति

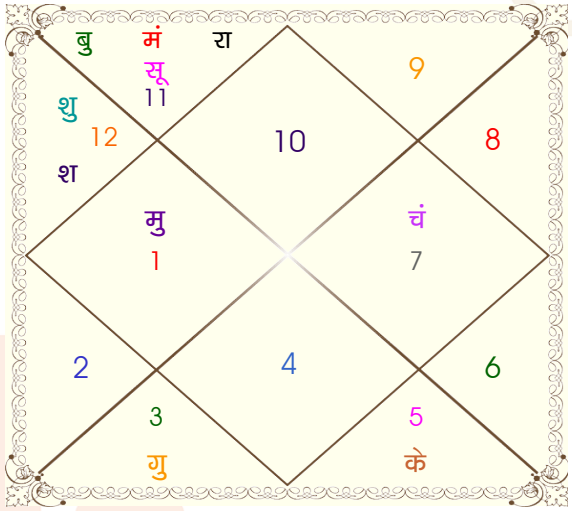

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास

07/04/2026 09:53:19 से 08/05/2026 04:01:09 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	28:53:22
सूर्य		मीन	रेवती	23:08:30
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:06:22
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	03:43:19
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:37:45
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	22:00:44
शुक्र		मेष	भरणी	15:00:59
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	12:05:18
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:58:23
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:58:23
मुंथा		वृष	कृतिका	01:13:08

मासाधिपति

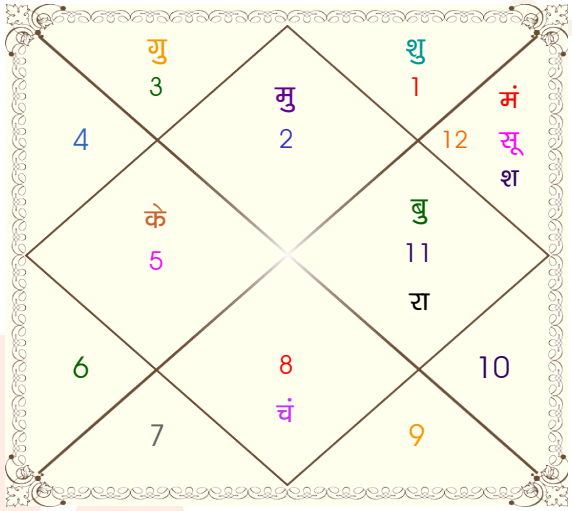

मासाधिपति : शुक्र

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्नचित रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही आपके आय स्त्रोतों में भी वृद्धि होगी जिससे वांछित लाभ अर्जित होगा। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके चिर प्रतीक्षत शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके सांसारिक कार्य भी इस समय सफल होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करेंगे तथा इनसे पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही उत्तम फल दायक रहेगा।

दशम् मास
08/05/2026 04:01:09 से 08/06/2026 08:44:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	20:48:47
सूर्य		मेष	भरणी	23:08:30
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	01:17:27
मंगल		मीन	रेवती	27:26:47
बुध		मेष	भरणी	15:23:05
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	25:42:06
शुक्र		वृष	रोहिणी	22:26:31
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:41:07
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	11:39:34
केतु	व	सिंह	मघा	11:39:34
मुंथा		वृष	कृतिका	03:43:08

मासाधिपति

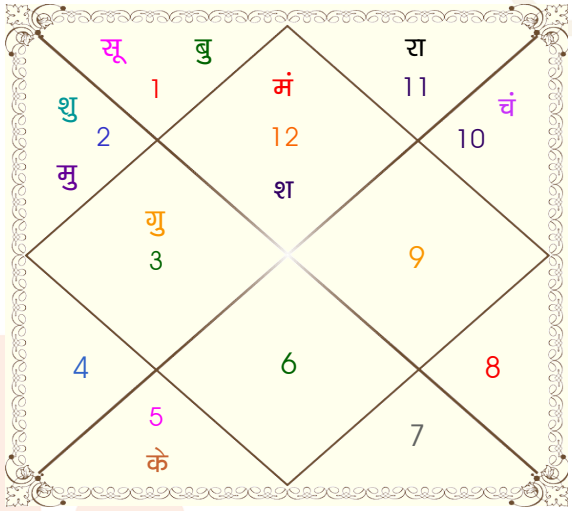

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे ।साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

एकादश मास
08/06/2026 08:44:11 से 09/07/2026 19:07:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	07:25:54
सूर्य		वृष	रोहिणी	23:08:30
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	19:46:19
मंगल		मेष	भरणी	20:47:47
बुध		मिथुन	आर्द्रा	15:58:16
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	01:12:53
शुक्र		मिथुन	पुनर्वसु	29:33:43
शनि		मीन	रेवती	18:35:18
राहु		कुम्भ	शतभिषा	08:41:44
केतु		सिंह	मघा	08:41:44
मुंथा		वृष	कृतिका	06:13:08

मासाधिपति

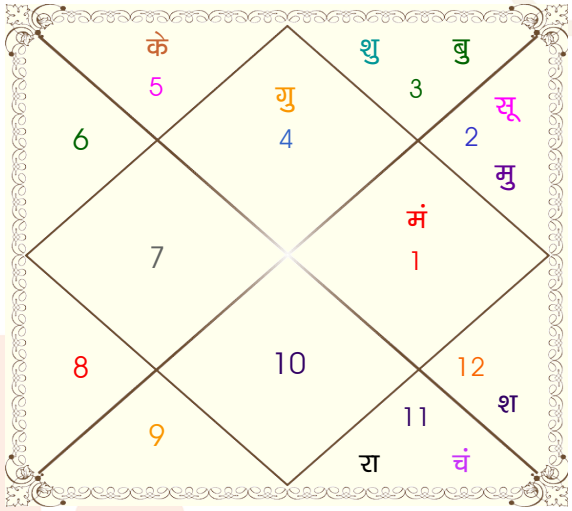

मासाधिपति : शुक्र

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय महिला वर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सौभाग्य से ही सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों तथा संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा साथ ही मनोवांछित द्रव्यों की भी इस मास में उपलब्धि हो सकती है। संतति पक्ष से भी आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं की भी प्राप्ति करने में सफल सिद्ध हो सकते हैं।

द्वादश मास

09/07/2026 19:07:43 से 10/08/2026 04:35:58 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:23:28
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	23:08:30
चन्द्र		मेष	भरणी	15:48:45
मंगल		वृष	रोहिणी	13:22:59
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:41:09
गुरु		कर्क	पुष्य	07:47:04
शुक्र		सिंह	मघा	05:35:48
शनि		मीन	रेवती	20:16:01
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:28:18
केतु	व	सिंह	मघा	06:28:18
मुंथा		वृष	कृतिका	08:43:08

मासाधिपति

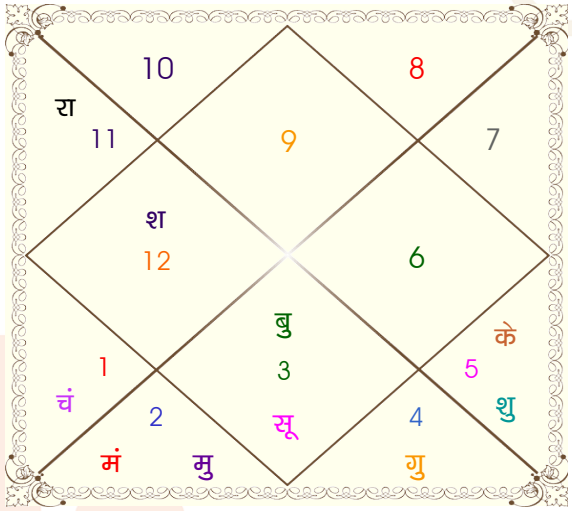

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अशुभ फल प्रदान करने वाला होगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही शत्रु भी आपसे बलवान रहेंगे एवं आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित किया जा सकता है। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी आप कष्ट प्राप्त कर सकते है। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में भी आपके आदर में न्यूनता आएगी। बन्धु एवं मित्रों से आपका इस समय मन मुटाव रहेगा तथा मानसिक इच्छाएं अपूर्ण ही रहेंगी। अतः तनाव से बचने के लिए संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित कर सकेंगे तथा मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।